COMMON POOL OF GENERIC ELECTIVES (GE)

OFFERED BY DEPARTMENT OF HINDI

'हिंदी–क' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी : भाषा और साहित्य

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना।
राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की स्थिति का परिचय देना।
विषिष्ट कविताओं के अध्ययन–विष्लेषण के माध्यम से कविता–संबंधी समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।
आधुनिक आवष्यकताओं के अनुरूप राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा की जानकारी प्राप्त होगी।

इकाई–1

(क) हिंदी भाषा का उद्‌भव एवं विकास
(ख) राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क–भाषा के रूप में हिंदी

इकाई–2

हिंदी साहित्य का इतिहास
(क) हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, मध्यकाल) सामान्य परिचय
(ख) हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) सामान्य परिचय

इकाई–3

(क) संत–काव्य (संग्रह) : परषुराम चतुर्वेदी; किताब महल, इलाहाबाद; 1952
संत रैदासजी
पद : 1, 4, और 19

(ख) भूषण – भूषण ग्रंथावली, सं. आचार्य विष्वनाथ प्रसादमिश्र, वाणी प्रकाषन, दिल्ली, 1998; कवित्त संख्या 409, 411, 412

(ग) बिहारी – बिहारी रत्नाकर, सं. जगन्नाथदास रत्नाकर बी.ए., प्रकाषन संस्थान, नई दिल्ली, सं. 2006, दोहा 1, 10, 13, 32

इकाई–4

– आधुनिक हिंदी कविता
– माखनलाल चतुर्वेदी : बेटी की विदाई
– जयषंकर प्रसाद : हिमाद्रि तुंग श्रृंग से
– नागार्जुन : बादल को घिरते देखा है

References

9. रामचंद्र शुक्ल : हिंदी साहित्य का इतिहास
10. हजारीप्रसाद द्विवेदी : हिंदी साहित्य की भूमिका
11. सं. डॉ. नगेंद्र : हिंदी साहित्य का इतिहास
12. रामस्वरूप चतुर्वेदी : हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास
13. डॉ. रसाल सिंह : हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, वीडियो आदि
1 से 3 सप्ताह : इकाई–1
4 से 6 सप्ताह : इकाई–2
7 से 9 सप्ताह : इकाई–3
10 से 12 सप्ताह : इकाई–4
13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

'हिंदी–'ख' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 10वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी : भाषा और साहित्य

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना।
विषिष्ट कविताओं के अध्ययन–विष्लेषण के माध्यम से कविता संबंधी समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।
विषिष्ट कविताओं के अध्ययन से साहित्य की समझ विकसित होगी।

इकाई–1

हिंदी भाषा और साहित्य
हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास
हिंदी की प्रमुख बोलियों का परिचय
हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आदिकाल, मध्यकाल)
हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आधुनिक काल)

इकाई–2

भक्तिकालीन कविता :
(क) कबीर – कबीर ग्रंथावली, सं. श्यामसुंदर दास, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी 17वां संस्करण, सं. 2049 वि.
साखी : गुरुदेव कौ अंग – 24, 25, 26, 27, 28, 33, 34

(ख) तुलसी : 'रामचरितमानस' गीताप्रेस, गोरखपुर से 'केवटप्रसंग'

इकाई–3

– मैथिलीषरण गुप्त : नर हो न निराष करो .....
– सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' – तोड़ती पत्थर
– केदारनाथ अग्रवाल : धूप

इकाई–4

आधुनिक कविता
– सुभद्रा कुमार चौहान : बालिका का परिचय
– निराला : तोड़ती पत्थर

References

1. रामचंद्र शुक्ल : हिंदी साहित्य का इतिहास
2. हजारीप्रसाद द्विवेदी : हिंदी साहित्य की भूमिका
3. सं. डॉ. नगेंद्र : हिंदी साहित्य का इतिहास
4. रामस्वरूप चतुर्वेदी : हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास
5. आ. विष्वनाथ प्रसाद मिश्र : भूषण ग्रंथावली
6. डॉ. रसाल सिंह : हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा
1 से 3 सप्ताह : इकाई–1
4 से 6 सप्ताह : इकाई–2
7 से 9 सप्ताह : इकाई–3
10 से 12 सप्ताह : इकाई–4
13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

'हिंदी–'ग'(उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी : भाषा और साहित्य

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना।
विषिष्ट कविताओं के अध्ययन–विष्लेषण के माध्यम से कविता संबंधी समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।
विषिष्ट कविताओं के अध्ययन से साहित्य की समझ विकसित होगी।

इकाई–1

हिंदी भाषा और साहित्य
(क) हिंदी भाषा का उद्‌भव एवं विकास
(ख) हिंदी का भौगोलिक विस्तार
(ग) हिंदी कविता का विकास (आदिकाल, मध्यकाल) : सामान्य विषेषताएँ
(घ) हिंदी कविता का विकास (आधुनिक काल) : सामान्य विषेषताएँ

इकाई–2

भक्तिकालीन हिंदी कविता :
कबीर : कबीर ग्रंथावली, सं. श्यामसुंदर दास, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी 17वां संस्करण, सं. 2049 वि.

साखी : गुरुदेव कौ अंग – 19, 20, 21, 22, 23

सूरदास :
–मैया मैं नहिं माखन खायौ .....
– उधोमन न भए दस–बीस .....

इकाई–3

रीतिकालीन हिंदी कविता
(क) बिहारी :
– मेरी भव बाधा हरौ .....
–कनक कनक ते सौंगुनी .....
–कहत नटत रीझत खिजत .....

(ख) घनानंद :
– अति सूधो सनेह को मारग .....
– रावरे रूप की रीति अनूप .....

इकाई–4

आधुनिक हिंदी कविता
– सुमित्रा नंदन पंत : आह! धरती कितना देती है .....
– सर्वेष्वर दयाल सक्सेना : लीक पर वे चलें .....

References

1. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. तुलसीकाव्य – मीमांसा : उदयभानु सिंह
3. हिंदी साहित्य का सरल इतिहास : विष्वनाथ त्रिपाठी
4. बिहारी की वाग्विभूति : विष्वनाथ प्रसाद मिश्र
5. हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल
6. डॉ. रसाल सिंह : हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स

Teaching Learning Process

सीखने की इस प्रक्रिया में हिंदी साहित्य और हिंदी कविता को मजबूती प्रदान करना है। कालक्रम के विद्यार्थी युग बोध कोठी से जान सकेंगे। छात्र कविता के माध्यम से उसमें निहित मानवतावादी दृष्टिकोण को बेहतर तरीके से जान सकेंगे। हिंदी भाषा आज तेजी से वैष्वीकृत हो रही है। ऐसे में कविता की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। साहित्य के आरंभ से ही कविता ने समय और समाज को प्रभावित किया है और मानवीय आचरण को संतुलित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अतः षिक्षण में हिंदी कविता छात्रों

के दृष्टिकोण को और भी अधिक परिपक्व करेगी। प्रस्तुत पाठ्यक्रम को निम्नांकित सप्ताहों में विभाजित किया जा सकता है :

1 से 3 सप्ताह : इकाई–1
4 से 6 सप्ताह : इकाई–2
7 से 9 सप्ताह : इकाई–3
10 से 12 सप्ताह : इकाई–4
13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

BA (Prog.) सेमेस्टर III / IV
GE / Language – क्रेडिट 4
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'क'

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'क'	जीई / भाषा (GE)	4	3	1	0	हिंदी विषय के साथ 12वीं पास	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- हिंदी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना
- विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे
- प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- हिंदी गद्य रूपों का सामान्य परिचय और विकास – कहानी, रेखाचित्र, संस्मरण, निबंध, एकाँकी, व्यंग्य

इकाई – 2 : कहानी **(12 घंटे)**

- नमक का दरोगा – प्रेमचंद
- मलबे का मालिक – मोहन राकेश

इकाई – 3 : निबंध **(12 घंटे)**

- भाव और मनोविकार – रामचन्द्र शुक्ल
- मेरे राम का मुकुट भीग रहा है – विद्यानिवास मिश्र

इकाई – 4 : अन्य गद्य विधाएँ **(09 घंटे)**

- दीपदान – रामकुमार वर्मा
- सुभद्रा – महादेवी वर्मा

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- कवि तथा नाटककार : रामकुमार वर्मा, वरुण प्रकाशन, दिल्ली
- हिंदी का ललित निबंध साहित्य और आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी – विदुषी भारद्वाज, राधा पब्लिकेशन
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार – हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार – विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

BA (Prog.) सेमेस्टर III / IV
GE / Language – क्रेडिट 4
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'ख'

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'ख'	जीई / भाषा (GE)	4	3	1	—	हिंदी विषय के साथ 10वीं पास	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- हिंदी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना
- विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे
- प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- हिंदी गद्य रूपों का सामान्य परिचय एवं विकास – कहानी, रेखाचित्र, संस्मरण, निबंध, एकाँकी, व्यंग्य

इकाई – 2 : कहानी **(12 घंटे)**

- आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद
- परिन्दे – निर्मल वर्मा

इकाई – 3 : निबंध **(12 घंटे)**

- जबान – बालकृष्ण भट्ट
- सच्ची वीरता – सरदार पूर्ण सिंह

इकाई – 4 : अन्य गद्य विधाएँ **(09 घंटे)**

- मालव प्रेम – हरिकृष्ण प्रेमी
- गुंगिया – महादेवी वर्मा

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार – हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार – विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

BA (Prog.) सेमेस्टर III / IV
GE / Language – क्रेडिट 4
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'ग'

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'ग'	जीई / भाषा (GE)	4	3	1	0	हिंदी विषय के साथ 08वीं पास	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- हिंदी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना
- विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे
- प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- हिंदी गद्य रूपों का सामान्य परिचय – कहानी, रेखाचित्र, संस्मरण, निबंध, एकाँकी, व्यंग्य

इकाई – 2 : कहानी **(12 घंटे)**

- बड़े भाई साहब – प्रेमचंद
- हार की जीत – सुदर्शन

इकाई – 3 : निबंध **(12 घंटे)**

- मेले का ऊंट – बालमुकुंद गुप्त
- नाखून क्यों बढ़ते हैं – हजारीप्रसाद द्विवेदी

इकाई – 4 : अन्य गद्य विधाएँ **(09 घंटे)**

- बुधिया – रामवृक्ष बेनीपुरी
- भोलाराम का जीव – हरिशंकर परसाई

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

- हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार – हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार – विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

BA (Prog.) Hindi
Semester V : GE
प्रवासी हिंदी साहित्य

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
GE प्रवासी हिंदी साहित्य	4	3	1	0	12th Pass	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को प्रवासी भारतीयों द्वारा लिखे जा रहे हिंदी साहित्य से परिचित कराना।
- विविध प्रवासी साहित्यिक अभिव्यक्तियों की समझ विकसित कराना।
- हिंदी साहित्य के वैश्विक स्वरूप एवं उपस्थिति से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी प्रवासी साहित्य के इतिहास एवं उसके विकास की परंपरा से परिचित हो सकेंगे।
- प्रवासी साहित्य के माध्यम से प्रवासी जीवन संदर्भों को समझ सकेंगे।
- प्रवासी साहित्य की अवधारणा एवं उससे जुड़े विषयों को जान सकेंगे।

इकाई 1 : प्रवासी साहित्य का परिचय (12 घंटे)

- प्रवासी साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप
- प्रवासी हिंदी साहित्य लेखन का इतिहास
- प्रवासी हिंदी साहित्य लेखन की प्रवृत्तियां

इकाई 2 : प्रवासी कविताएं (12 घंटे)

- बदलाव – सुधा ओम ढींगरा
- अहंकार – अनीता वर्मा
- अपनी राह से – पुष्पिता अवस्थी
- क्या मैं परदेसी हूं – कमला प्रसाद मिश्र

इकाई 3 : प्रवासी कहानियां **(12 घंटे)**

- कब्र का मुनाफा – तेजेंद्र शर्मा
- श्यामली जीजी – रेखा राजवंशी
- थोड़ी देर और – शैलजा सक्सेना

इकाई 4 : प्रवासी उपन्यास **(9 घंटे)**

- लाल पसीना – अभिमन्यु अनत

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. गोयनका, डॉ. कमल किशोर; हिंदी का प्रवासी साहित्य, अमित प्रकाशन, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश।
2. गोयनका, डॉ. कमल किशोर (प्रधान संपादक); प्रवासी साहित्य : जोहान्सबर्ग से आगे, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
3. आर्य एवं नावरिया, सुषमा एवं अजय (संपादक); प्रवासी हिंदी कहानी : एक अंतर्यात्रा, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली।
4. पांडेय एवं पांडेय, डॉ. नूतन एवं डॉ. दीपक, प्रवासी साहित्य (विश्व के हिंदी साहित्यकारों से संवाद) खंड 1 एवं 2, स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. सक्सेना, उषा राजे; ब्रिटेन में हिंदी, मेधा बुक्स, दिल्ली।
6. जोशी, रामशरण (संपादक); भारतीय डायस्पोरा : विविध आयाम
7. Dubey, Ajay (ed.), 2003, *Indian Diaspora: Global Identity*. New Delhi: Kalin Publications.

ABILITY ENHANCEMENT COURSE
Offered by
DEPARTMENT OF HINDI

AEC 1:हिन्दी भाषा: सम्प्रेषण और संचार (हिन्दी क)

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
हिन्दी भाषा: सम्प्रेषण और संचार	**02**	**2**	--	---	**हिंदी - क** (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12 वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	**हिंदी - क** (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12 वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Learning Objectives)

- सम्प्रेषण के स्वरूप और सिद्धांतों से विद्यार्थियों को परिचित कराना
- सम्प्रेषण के विभिन्न माध्यमों की जानकारी देना
- प्रभावी सम्प्रेषण का गुण विकसित करना
- विद्यार्थी की भाषाई दक्षता और भाषा कौशल को बढ़ावा देना
- संचार माध्यमों के लिए लेखन कौशल का विकास

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल (Learning outcomes)

- संप्रेषण की अवधारणा और प्रक्रिया से परिचित हो सकेंगे
- संप्रेषण की तकनीक और कार्यशैली की बहुआयामी समझ का विकास
- प्रभावी सम्प्रेषण करना सीखेंगे

- पत्र-लेखन, प्रतिवेदन, अनुच्छेद लेखन की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे
- मीडिया के विविध रूपों के लिए लेखन करना

SYLLABUS OF AEC-1

इकाई 1: सम्प्रेषण: सामान्य परिचय (1-7 सप्ताह)

- सम्प्रेषण की अवधारणा
- सम्प्रेषण की प्रक्रिया
- सम्प्रेषण के विविध आयाम
- सम्प्रेषण और संचार

इकाई 2 : सम्प्रेषण और संचार के विविध रूप (8-15 सप्ताह)

- सम्प्रेषण के प्रकार
- सर्वेक्षण आधारित रिपोर्ट तैयार करना संभावित विषय: (कोरोना और मानसिक स्वास्थ्य, जागरूकता संबंधी अभियान, कूड़ा निस्तारण योजना)
- अनुच्छेद लेखन, संवाद लेखन, डायरी लेखन
- ब्लॉग लेखन, सम्पादकीय लेखन

सहायक पुस्तकें :

1. नए जनसंचार माध्यम और हिन्दी: सुधीश पचौरी, अचला शर्मा
2. सूचना और सम्प्रेषण: तकनीकी की समझ: स्मिता मिश्र
3. सम्प्रेषण: चिन्तन और दक्षता: मंजु मुकुल
4. संवाद पथ पत्रिका: केन्द्रीय हिन्दी संस्थान
5. हिन्दी का सामाजिक सन्दर्भ: रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
6. सम्प्रेषणपरक व्याकरण: सिद्धांत और स्वरूप: सुरेश कुमार

मूल्यांकन पद्धति: (Assessment Method)

- कुल अंक : 50
- लिखित परीक्षा : 38 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन: 12 अंक

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time

AEC 2:हिंदी औपचारिक लेखन (हिन्दी ख)

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
हिंदी औपचारिक लेखन	**02**	**2**	--	---	**हिंदी** - ख (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 10 वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	**हिंदी** - ख (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 10 वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	हिन्दी

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives)

- विद्यार्थी की भाषाई दक्षता और लेखन-कौशल को बढ़ावा देना
- कार्यालयी और व्यावसायिक हिंदी की समझ विकसित करना
- हिंदी भाषा दक्षता और तकनीक के अंतः संबंध को रेखांकित करना
- कार्यालयों में व्यावहारिक कार्य के विभिन्न पक्षों से अवगत कराना
- हिन्दी प्रयोग से जुड़े फील्ड वर्क आधारित विश्लेषण और लेखन पर बल

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी कार्यालयी और व्यावसायिक हिंदी की विशेषताओं से परिचित होंगे

● कार्यालयों में होने वाले व्यावहारिक कार्य का ज्ञान
● सूचना के अधिकार के लिए लेखन करना सकेंगे
● मार्केट सर्वेक्षण हेतु प्रश्नावली का निर्माण तथा उसका विश्लेषण करना जानेंगे
● विद्यार्थी टिप्पण, प्रारूपण, प्रतिवेदन, विज्ञप्ति तैयार करना सीख सकेंगे

SYLLABUS OF AEC-2

इकाई- 1: लेखन दक्षता का विकास (1-7 सप्ताह)

- कार्यालयी हिंदी
- व्यावसायिक हिंदी
- टिप्पण और प्रारूपण : सामान्य परिचय
- प्रतिवेदन और विज्ञप्ति का महत्व

इकाई- 2: औपचारिक लेखन के प्रकार (8-15 सप्ताह)

- स्ववृत्त लेखन
- सूचना के अधिकार के लिए लेखन
- कार्यालयी और व्यावसायिक पत्र लेखन
- किसी व्यावसायिक कार्यक्रम के संदर्भ में प्रेस विज्ञप्ति तैयार करना

सहायक पुस्तकें:

1. प्रयोजनमूलक और कार्यालयी हिन्दी: कृष्णकुमार गोस्वामी
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी की नई भूमिका: कैलाशचन्द्र पाण्डेय
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी: सिद्धांत और प्रयोग: दंगल झाल्टे
4. प्रशासनिक हिन्दी: हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन
5. राजभाषा हिदी और उसका विकास: हीरालाल बाछोतिया, किताबघर प्रकाशन

मूल्यांकन पद्धति: (Assessment Method)

- कुल अंक : 50
- लिखित परीक्षा : 38 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन: 12 अंक

AEC 3 :सोशल मीडिया और ब्लॉग लेखन (हिन्दी ग)

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
सोशल मीडिया और ब्लॉग लेखन	**02**	**2**	--	---	**हिंदी** - ग (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8 वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	**हिंदी** - ग (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8 वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	हिन्दी

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives)

- हिंदी सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों की जानकारी
- सोशल मीडिया की कार्यशैली की समझ
- सोशल मीडिया के महत्व और प्रभाव से मूल्यांकन
- ब्लॉग बनाना और लेखन
- सोशल मीडिया का व्यावहारिक ज्ञान

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल (Course Learning Outcomes):

- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की जानकारी मिलेगी।
- सोशल मीडिया की कार्य-शैली की समझ विकसित होगी।
- ब्लॉग लेखन करने के साथ हिंदी के प्रमुख ब्लॉगों का अध्ययन और विश्लेषण कर सकेंगे।
- सोशल मीडिया के महत्व और उसकी भूमिका को रेखांकित कर सकेंगे।

- विद्यार्थी सोशल मीडिया पर कार्य करना सीख सकेंगे

SYLLABUS OF AEC-3

इकाई 1. सोशल मीडिया और ब्लॉग

- सोशल मीडिया : अर्थ और परिभाषा
- सोशल मीडिया का प्रभाव और महत्व
- सोशल मीडिया के प्रकार (विकीपीडिया, ब्लॉग, सोशल नेटवर्किंग साइट्स, ट्विटर,यूट्यूब,इन्स्टाग्राम आदि)
- ब्लॉग लेखन: सामान्य परिचय

इकाई 2: सोशल मीडिया का व्यावहारिक पक्ष

- किसी सामाजिक अभियान के प्रचार के लिए सोशल मीडिया हेतु एक विज्ञापन तैयार करना
- अपना निजी ब्लॉग तैयार करने की प्रक्रिया
- सोशल मीडिया से बनने वाली किसी खबर पर रिपोर्ट तैयार करना
- सोशल मीडिया से सम्बन्धित विविध विषयों पर आलेख तैयार करना

सहायक पुस्तकें :

1.सामाजिक मीडिया और हम: रवीन्द्र प्रभात, नोशन प्रेस
2.सोशल मीडिया: स्वर्ण सुमन, हार्पर कॉलिन्स पब्लिशर इण्डिया
3.भूमंडलीकरण और मीडिया: कुमुद शर्मा
4.मीडिया और हिन्दी: बदलती प्रवृतियाँ: रविन्द्र जाधव, वाणी प्रकाशन
5.रेडियो लेखन, मधुकर गंगाधर, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना, प्रथम संस्करण- 1974
6.रेडियो वार्ता शिल्प, सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रथम प्रकाशन- 1992

मूल्यांकन पद्धति: (Assessment Method)

- कुल अंक : 50
- लिखित परीक्षा : 38 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन: 12 अंक

AEC - Hindi D
विदेशी विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
AEC - Hindi D (विदेशी विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम)	**2**	**2**	**--**	**--**	**विदेशी विद्यार्थियों के लिए**	**विदेशी विद्यार्थियों के लिए**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Learning Objectives):

1. विद्यार्थी की भाषाई दक्षता और भाषा-कौशल को बढ़ावा देना
2. हिंदी भाषा में व्यावहारिक कार्य को प्रोत्साहन देना

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल (Learning outcomes):

1. भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, अनौपचारिक/औपचारिक लेखन का अभ्यास कराना
2. हिंदी भाषा में अभिव्यक्ति कौशल का विकास

सेमेस्टर III

इकाई 1: भारतीय संस्कृति एवं जन-जीवन (सामान्य परिचय)

- भारत के महत्वपूर्ण दर्शनीय स्थल (कोई पांच)
- भारतीय भोजन

- भारतीय पर्व, उत्सव और मेले
- पारंपरिक भारतीय वेशभूषा

इकाई 2: हिंदी लेखन अभ्यास

- संवाद लेखन (किसी नाटक अथवा फिल्म के माध्यम से)
- किसी घटना, दृश्य अथवा स्थल का वर्णन
- पत्र-लेखन (अनौपचारिक)
- अपठित गद्यांश

संदर्भ ग्रंथ:

1. स्वयं हिंदी सीखें : वी. आर. जगन्नाथन
2. हिंदी व्याकरण - कामता प्रसाद गुरु, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
3. हिंदी : शब्द, अर्थ, प्रयोग - हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
4. हिंदी का समसामयिक व्याकरण - यमुना काचरू, मैकमिलन, नई दिल्ली
5. Basic Hindi Course for Foreigners, Central Hindi Institute, Agra, UP Basic Hindi Vocabulary, Ministry of Education, Govt. of India.
6. English-Hindi Conversational Guide & Hindi-English Conversational Guide, Central Hindi Directorate, New Delhi
7. Fairbanks, G & Mishra, 8.G. Spoken and written Hindi Cornell University Press, New York
8. Fairbanks, G & Pandit, P.B.: A Spoken approach, Deccan College, Pune
9. McGregor, R.S. Exercises in spoken Hindi, Oxford University Press, Oxford, England
10. Verma, Vimlesh Kanti: Learner's Hindi-English Dictionary, Dreamland Publication, New Delhi

AEC - Hindi E

अनिवार्य हिंदी पाठ्यक्रम - 2

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
AEC-Hindi E (अनिवार्य हिंदी पाठ्यक्रम - 2)	**2**	**2**	**--**	**--**	उन भारतीय विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8वीं तक हिंदी की परीक्षा उत्तीर्ण नहीं की है ।	उन भारतीय विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8वीं तक हिंदी की परीक्षा उत्तीर्ण नहीं की है ।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Learning Objectives):

1. हिंदी भाषा-कौशल का संवर्धन
2. व्यावहारिक जीवन में हिंदी भाषा का सफलतापूर्वक प्रयोग

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल (Learning outcomes):

1. भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, अनौपचारिक/औपचारिक लेखन का अभ्यास कराना
2. हिंदी भाषा में अभिव्यक्ति-कौशल का विकास

सेमेसटर IV/III

इकाई 1: देवनागरी लिपि का व्यावहारिक ज्ञान

(1-7 सप्ताह)

- अनुस्वार (बिंदु) और अनुनासिक (चंद्र बिंदु) के प्रयोग के नियम
- विदेशी ध्वनियों का देवनागरी लिप्यंतरण
- हिंदी विराम चिह्न

सेमेस्टर III व IV

AEC 2: व्यावहारिक हिंदी (हिंदी क)

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
व्यावहारिक हिंदी	02	2	--	---	**हिंदी क** (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	**हिंदी क** (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	**हिंदी**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थी की भाषाई दक्षता और भाषा-कौशल को बढ़ावा देना
- भाषा प्रयोगशाला के माध्यम से प्रायोगिक कार्य को प्रोत्साहन देना
- रोजगार सम्बन्धी क्षेत्रों के लिए तैयार करना
- विभिन्न क्षेत्रों में हिंदी के प्रयोग की जानकारी
- हिंदी प्रयोग से जुड़े फील्ड वर्क पर आधारित विश्लेषण और लेखन पर बल देना

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल (Course Learning Outcomes):

- भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, औपचारिक लेखन तथा तकनीकी शब्दों से विद्यार्थी अवगत हो सकेगा।
- स्नातक स्तर के विद्यार्थी को भाषायी सम्प्रेषण की समझ और संभाषण से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों से अवगत हो सकेगा।
- वार्तालाप, भाषण, संवाद, समूह चर्चा, अनुवाद के माध्यम से विद्यार्थी में अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो सकेगा।
- समूह चर्चा, परियोजना के द्वारा विद्यार्थी में आलोचनात्मक क्षमता का विकास हो सकेगा।

SYLLABUS OF AEC-2 (Semester – III/IV)

इकाई 1 : व्यावहारिक हिंदी (1-7 सप्ताह)

- व्यावहारिक हिंदी के विविध रूप (सामान्य परिचय)
- बैंको में प्रयोग होने वाली हिंदी
- संपर्क भाषा के रूप में हिंदी का महत्त्व
- बम्बईया हिंदी, कलकतिया हिंदी, हैदराबादी हिंदी

इकाई 2 : संपर्क भाषा के रूप में हिंदी के विविध रूप (8-15 सप्ताह)

- सार्वजनिक स्थानों पर हिंदी का प्रयोग (अस्पताल, बाज़ार, मॉल, मंडी)

- बैंकों में प्रचलित पारिभाषिक शब्दावली
- कार्यालयों में प्रचलित हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली
- बाज़ार / दर्शनीय स्थल / क्रिकेट मैच का अनुभव-लेखन

सहायक पुस्तकें:

1. हिंदी भाषा – हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
2. प्रयोजनमूलक हिंदी: सिद्धांत और प्रयोग – दंगल झालटे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2010
3. मानक हिंदी का स्वरूप – भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2008
4. व्यावहारिक हिंदी एवं प्रयोग – डॉ. ओम प्रकाश, राजपाल एंड संस, संस्करण 2003
5. प्रायोगिक हिंदी – (सं) रमेश गौतम, ओरिएंट ब्लैकस्वान, प्रकाशन संस्करण 2013

मूल्यांकन पद्धति: (Assessment Method)

- कुल अंक: 80
- लिखित परीक्षा: 60 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन: 20 अंक

AEC 2 : जनसंचार और रचनात्मक लेखन (हिंदी ख)

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
जनसंचार और रचनात्मक लेखन	02	2	--	--	**हिंदी** ख (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 10वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	**हिंदी** ख (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 10वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	**हिंदी**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objetive):

- विद्यार्थियों के अभिव्यक्ति कौशल को विकसित करना।
- प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के लिए लेखन कार्य की समझ विकसित करना
- हिंदी भाषा में रचनात्मक लेखन की ओर प्रेरित करना।
- विद्यार्थियों में कल्पनाशीलता और रचनात्मक लेखन का विकास करना।
- रचनात्मक लेखन के विविध क्षेत्रों की कार्यशैली का अध्ययन।

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थियों के मौखिक और लेखन कौशल को बढ़ाया जा सकेगा।
- विद्यार्थियों को प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक लेखन की ओर अग्रसर किया जा सकेगा।
- आज शिक्षा का व्यवसाय से भी संबंध है। यह पाठ्यक्रम वर्तमान संदर्भों के अनुकूल स्थापित ह सकेगा।
- विद्यार्थियों को साहित्य लेखन की जानकारी का ज्ञान विकसित होगा।
- रचनात्मक लेखन के सैद्धांतिक और व्यावहारिक पक्षों से परिचित हो सकेंगे।

SYLLABUS OF AEC-2 (Semester – III/IV)

इकाई 1 : रचनात्मक लेखन का स्वरूप (1-7 सप्ताह)

- रचनात्मक लेखन का अर्थ और महत्व
- रचनात्मक लेखन के विविध रूप
- जनसंचार माध्यमों के लिए रचनात्मक लेखन
- जनसंचार माध्यमों में हिंदी भाषा

इकाई 2: विविध माध्यमों के लिए रचनात्मक लेखन (8-15 सप्ताह)

- प्रिंट माध्यम के लिए लेखन (साक्षात्कार, यात्रा अनुभव लेखन)
- इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के लिए लेखन (संवाद लेखन और गीत)
- विज्ञापन लेखन

सहायक पुस्तकें:

1. रचनात्मक लेखन – प्रो. रमेश गौतम, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण 2016
2. कथा पटकथा – मन्नू भंडारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण 2006
3. पटकथा लेखन: एक परिचय – मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2000
4. जनसंचार माध्यम: सम्प्रेषण और विकास – देवेन्द्र इस्सर, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली
5. जनसंचार माध्यमों का सामाजिक चरित्र – जवरीमल्ल पारिख, अनामिका प्रकाशन, दिल्ली

मूल्यांकन पद्धति: (Assessment Method)

- कुल अंक: 80
- लिखित परीक्षा: 60 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन: 20 अंक

AEC 2 : हिन्दी भाषा और तकनीक (हिंदी ग)

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
हिंदी भाषा और तकनीक	02	2	--	--	**हिंदी ग** (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	**हिंदी ग** (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	**हिंदी**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थी की भाषाई दक्षता और भाषा-कौशल को बढ़ावा देना
- भाषा प्रयोगशाला के माध्यम से प्रायोगिक कार्य को प्रोत्साहन देना
- हिंदी भाषा दक्षता और तकनीक के अंतः संबंध को रेखांकित करना
- प्रभावी सम्प्रेषण का महत्त्व
- भाषिक सम्प्रेषण के स्वरूप एवं सिद्धांतों से विद्यार्थी का परिचय
- विभिन्न माध्यमों की जानकारी

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल (Course Learning Outcomes):

- भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, औपचारिक लेखन तथा तकनीकी शब्दों से अवगत कराना
- स्नातक स्तर के विद्यार्थी को भाषाई सम्प्रेषण की समझ और संभाषण से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों से अवगत कराना

SYLLABUS OF AEC-2 (Semester – III/IV)

इकाई 1 : हिंदी भाषा और प्रौद्योगिकी (1-7 सप्ताह)

- ई-गवर्नेंस में हिंदी का प्रयोग
- राजभाषा के प्रचार-प्रसार में कम्प्यूटर की भूमिका
- हिंदी और वेब डिजाइनिंग
- हिंदी के संदर्भ में यूनिकोड का प्रयोग

इकाई 2 : तकनीक और हिंदी भाषा (8-15 सप्ताह)

- इंटरनेट पर हिंदी की प्रमुख पत्रिकाओं की सूची बनाना
- हिंदी की किसी एक प्रमुख वेबसाइट की भाषा का विश्लेषण करना

- कम्प्यूटर पर हिंदी में स्ववृत ,एस.एम.एस. और संदेश लेखन
- मशीनी अनुवाद से संबंधित प्रमुख सॉफ्टवेयर की सूची बनाना

सहायक पुस्तकें:

1. सृजनात्मक साहित्य – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. व्यवहारिक हिंदी शुद्ध प्रयोग – ओमप्रकाश, राजपाल एंड संस, दिल्ली
3. हिंदी भाषा का आधुनिकीकरण एवं मानकीकरण – डॉ. त्रिभुवननाथ शुक्ल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. रचनात्मक लेखन – (सं.) प्रो. रमेश गौतम, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली
5. तकनीकी सुलझने – बालेंदु शर्मा दधीचि, ईप्रकाशकडॉटकॉम
6. https://balendu.com/

मूल्यांकन पद्धति: (Assessment Method)

- कुल अंक: 80
- लिखित परीक्षा: 60 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन: 20 अंक

- हिंदी की वाक्य संरचना के सामान्य नियम

इकाई 2: हिंदी में लेखन अभ्यास

(8-15 सप्ताह)

- कहानी, निबंध लेखन
- यात्रा, दृश्य, घटना का वर्णन
- संवाद लेखन (किसी नाटक अथवा फिल्म के माध्यम से)
- अपठित गद्यांश

संदर्भ ग्रंथ:

1. स्वयं हिंदी सीखें : वी. आर. जगन्नाथन
2. हिंदी व्याकरण - कामताप्रसाद गुरु, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
3. हिंदी : शब्द, अर्थ, प्रयोग - हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
4. हिंदी का समसामयिक व्याकरण - यमुना काचरू, मैकमिलन, नई दिल्ली
5. सामान्य हिंदी - डॉ. पृथ्वीनाथ पांडेय, नालंदा पब्लिशिंग हाउस, इलाहाबाद
6. मानक हिंदी व्याकरण - डॉ. नरेश मिश्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
7. रचनात्मक लेखन - प्रो. रमेश गौतम, ओरिएंट ब्लैक स्वान पब्लिकेशन, दिल्ली
8. Basic Hindi Course for Foreigners, Central Hindi Institute, Agra, UP Basic Hindi Vocabulary, Ministry of Education, Govt. of India.
9. English-Hindi Conversational Guide & Hindi-English Conversational Guide, Central Hindi Directorate, New Delhi
10. Fairbanks, G & Mishra, 8.G. Spoken and written Hindi Cornell University Press, New York
11. Fairbanks, G & Pandit, P.B.: A Spoken approach, Deccan College, Pune
12. McGregor, R.S. Exercises in spoken Hindi, Oxford University Press, Oxford, England
13. Verma, Vimlesh Kanti: Learner's Hindi-English Dictionary, Dreamland Publication, New Delhi

रंगमंच

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
रंगमंच	**2**	**0**	**0**	**2**	**12th pass**	**NIL**

Course Objective:

- हिन्दी रंगमंच का सामान्य परिचय कराना ।
- नाट्य-प्रस्तुति की प्रक्रिया की जानकारी देना ।
- अभिनय के विभिन्न पक्षों से अवगत कराना ।
- रंगमंच के खेलों और गतिविधियों से अवगत कराना ।

Course Learning Outcomes:

- नाट्य-प्रस्तुति की प्रक्रिया से विद्यार्थी अवगत हो सकेगा ।
- रंगमंच की सामान्य जानकारी मिलने के उपरान्त इस क्षेत्र में विद्यार्थी के लिए रोजगार की संभावनाएँ बनेंगी ।
- रंगमंचीय गतिविधियों से विद्यार्थी के व्यक्तित्व का विकास हो सकेगा ।
- विद्यार्थी में अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो सकेगा ।

SYLLABUS

यूनिट 1 (4 सप्ताह)

- भरत मुनि कृत नाट्यशास्त्र (संक्षिप्त परिचय)
- हिन्दी का पारंपरिक रंगमंच (संक्षिप्त परिचय)

यूनिट 2 (4 सप्ताह)

प्रस्तुति-प्रक्रिया: आलेख का चयन, अभिनेताओं का चयन, दृश्य-परिकल्पना (ध्वनि-संगीत-नृत्य-प्रकाश), पूर्वाभ्यास

यूनिट 3 (4 सप्ताह)

अभिनय की तैयारी: वाचिक, आंगिक, आहार्य, सात्विक

यूनिट 4 (2 सप्ताह)

आशु अभिनय, थिएटर गेम्स, संवाद-वाचन, शारीरिक अभ्यास, सीन वर्क

यूनिट 5 (1 सप्ताह)

मंच प्रबंधन: सेट, रंग-सामग्री, प्रचार-प्रसार, ब्रोशर-निर्माण

सन्दर्भ पुस्तकें:

- संक्षिप्त नाट्यशास्त्रम् - राधावल्लभ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2009
- रंग स्थापत्य: कुछ टिप्पणियाँ - एच. वी. शर्मा राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय प्रकाशन, दिल्ली, 2004
- पारंपरिक भारतीय: रंगमंच अनंतधाराएँ - कपिला वात्स्यायन, अनुवाद - बदी उज़म्मा, नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली, 1995
- हिंदी रंगमंच का लोकपक्ष, सं प्रो. रमेश गौतम, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली 2020
- मंच आलोकन - जी. एन. दासगुप्ता, अनुवाद - अजय मलकानी, नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली, 2006
- रंगमंच के सिद्धांत - सं महेश आनंद, देवेन्द्र राज अंकुर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 2008

Examination Scheme & Mode:

Total Marks: 100
Internal Assessment: 25 marks
Practical Exam (Internal): 25 marks
End Semester University Exam: 50 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**